



# Jeenia

---

15 Sep 2005

07:15 PM

Muktsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121424004

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 15/09/2005  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 19:15:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 32:27:20 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Muktsar  
राज्य \_\_\_\_\_: Punjab  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 30:30:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 74:34:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:31:44 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 18:43:16 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:04:45 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 18:21:45 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:16:03 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:37:18 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:21:15 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 28:52:42 सिंह  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 14:00:31 मीन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: धनिष्ठा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: सुकर्मा  
करण \_\_\_\_\_: कौलव  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: सिंह  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: गा-गामिनी  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कन्या

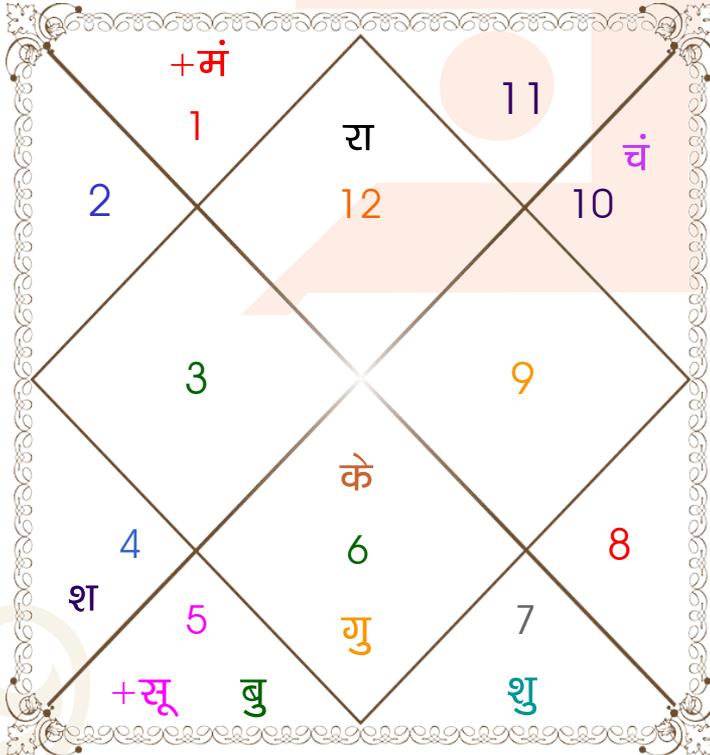
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	14:00:31	525:15:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
सूर्य			सिंह	28:52:42	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	स्वराशि
चंद्र			मक	23:48:16	14:56:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	सम राशि
मंगल			मेष	27:33:02	00:13:17	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध	अ		सिंह	26:37:46	01:52:44	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	27:25:41	00:12:09	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	10:34:23	01:09:15	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	13:29:46	00:06:13	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:48:11	00:02:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:48:11	00:02:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	14:16:44	00:02:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:19:35	00:01:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	27:56:08	00:00:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	11:03:19	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

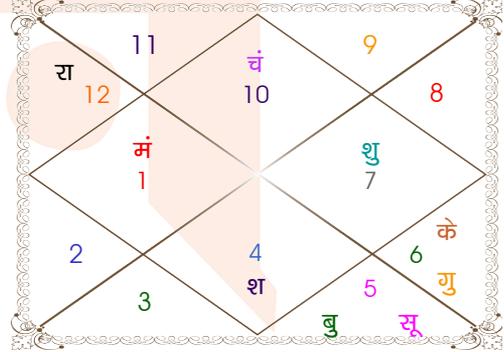
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:09

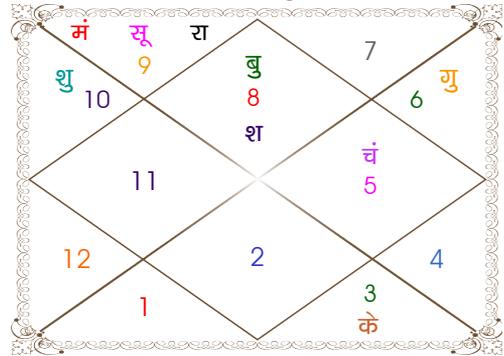
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 9 मास 0 दिन**

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
15/09/2005	17/06/2012	17/06/2030	17/06/2046	17/06/2065
17/06/2012	17/06/2030	17/06/2046	17/06/2065	17/06/2082
मंगल 13/11/2005	राहु 28/02/2015	गुरु 04/08/2032	शनि 20/06/2049	बुध 14/11/2067
राहु 02/12/2006	गुरु 24/07/2017	शनि 16/02/2035	बुध 28/02/2052	केतु 10/11/2068
गुरु 08/11/2007	शनि 29/05/2020	बुध 24/05/2037	केतु 08/04/2053	शुक्र 11/09/2071
शनि 16/12/2008	बुध 17/12/2022	केतु 30/04/2038	शुक्र 08/06/2056	सूर्य 17/07/2072
बुध 14/12/2009	केतु 04/01/2024	शुक्र 29/12/2040	सूर्य 21/05/2057	चंद्र 17/12/2073
केतु 12/05/2010	शुक्र 04/01/2027	सूर्य 17/10/2041	चंद्र 20/12/2058	मंगल 14/12/2074
शुक्र 12/07/2011	सूर्य 29/11/2027	चंद्र 16/02/2043	मंगल 29/01/2060	राहु 02/07/2077
सूर्य 17/11/2011	चंद्र 30/05/2029	मंगल 23/01/2044	राहु 05/12/2062	गुरु 08/10/2079
चंद्र 17/06/2012	मंगल 17/06/2030	राहु 17/06/2046	गुरु 17/06/2065	शनि 17/06/2082

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
17/06/2082	17/06/2089	18/06/2109	18/06/2115	18/06/2125
17/06/2089	18/06/2109	18/06/2115	18/06/2125	00/00/0000
केतु 13/11/2082	शुक्र 16/10/2092	सूर्य 06/10/2109	चंद्र 18/04/2116	मंगल 16/09/2125
शुक्र 13/01/2084	सूर्य 17/10/2093	चंद्र 06/04/2110	मंगल 17/11/2116	00/00/0000
सूर्य 20/05/2084	चंद्र 17/06/2095	मंगल 12/08/2110	राहु 19/05/2118	00/00/0000
चंद्र 19/12/2084	मंगल 17/08/2096	राहु 07/07/2111	गुरु 18/09/2119	00/00/0000
मंगल 18/05/2085	राहु 17/08/2099	गुरु 24/04/2112	शनि 18/04/2121	00/00/0000
राहु 05/06/2086	गुरु 18/04/2102	शनि 06/04/2113	बुध 18/09/2122	00/00/0000
गुरु 12/05/2087	शनि 18/06/2105	बुध 10/02/2114	केतु 19/04/2123	00/00/0000
शनि 20/06/2088	बुध 18/04/2108	केतु 18/06/2114	शुक्र 17/12/2124	00/00/0000
बुध 17/06/2089	केतु 18/06/2109	शुक्र 18/06/2115	सूर्य 18/06/2125	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 9 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अबरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृत्ति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशां वित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रुचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृत्ति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृत्ति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपके धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृत्ति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृत्ति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रुचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्त्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

